कवायद मेट्रो स्टेशन के नाम के साथ जोड़ा जाएगा कंपनी का नाम, 10 साल के लिए किया होगा एग्रीमेंट, मुफ्त विज्ञापन भी कर सकेंगे

स्टेशनों की को-ब्रांडिंग कर एनएमआरसी बढ़ाएगा अपनी आय

एनएमआरसी की बोर्ड बैठक के बाद नोएडा-ग्रेनो मेट्रो रूट का निरीक्षण कर लौटते अधिकारी

जागरण संवाददाता, नोएडा : नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) अपने राजस्व में बढ़ोतरी के लिए मेट्रो स्टेशनों की को-ब्रांडिंग करेगी। इसके लिए कंपनियों से आवेदन मांगे जाएंगे। प्रक्रिया में सफल रहने वाली कंपनी का नाम मेट्रो स्टेशन के नाम से जोड़ दिया जाएगा। 10 साल के लिए कंपनी से एग्रीमेंट किया जाएगा। इसके लिए कंपनी को एक मुश्त राशि एनएमआरसी को देनी होगी। इससे एक तो एनएमआरसी की आय बढ़ेगी साथ ही मेट्रो स्टेशन के मरम्मत के अलावा कई अन्य काम भी हो सकेंगे।

एनएमआरसी नोएडा से ग्रेटर नोएडा मेट्रो रूट बना रही है। इसका संचालन दिसंबर 2018 में किया जाएगा। इसके लिए मेट्रो स्टेशनों का काम पूरा कर लिया गया है। शनिवार को नए चेयरमैन ने डिपो से सेक्टर-146 तक मेट्रो में सफर भी किया। फिलहाल आए बढ़ाने के लिए मेट्रो स्टेशनों की को-ब्रांडिंग करने का निर्णय लिया गया है। को-ब्रांडिंग के तहत कंपनी का नाम स्टेशन के नाम से जोड़ दिया जाएगा। ठीक उसी तरह जिस तरह डीएमआरसी द्वारा दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशन की को-ब्रांडिंग कर रहा है। एग्रीमेंट के तहत कंपनी को स्टेशन में कुछ स्थान भी दिया जाएगा। जिसमें वह अपना प्रचार भी कर सकेगा। वह स्टेशन के बाहरी हिस्से का रंग भी अपने ब्रांड के रंग के हिसाब करवा सकता है। एक कंपनी के साथ 10 साल के लिए एग्रीमेंट किया जाएगा। इसके बाद प्रक्रिया दोबारा से की जाएगी। वहीं मेट्रो स्टेशनों पर विज्ञापन के लिए भी जल्द निविदा जारी की जाएगी। जिससे भी आए बढ़ेगी। एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक पीडी उपाध्याय ने बताया कि को-ब्रांडिंग की वजह से एनएमआरसी के आए में बढ़ोतरी होगी। इससे एक तो मुफ्त में प्रचार भी होगा साथ ही स्टेशनों की मरम्मत व अन्य कार्य किए जा सकेंगे।

वहीं, एनएमआरसी की सिटी बसों की समीक्षा की गई। बताते चले कि एनएमआरसी की सिटी बसे मुसाफिरों के लिए अब भी जद्दोजहद कर रही है।

आर्ट वर्क से सजाए जाएंगे रूट के मेट्रो स्टेशन

मेजेंटा लाइन के सभी स्टेशनों पर आर्ट वर्क किया गया है। इसी तरह नोएडा ग्रेटर नोएडा मेट्रो रूट के सभी स्टेशनों पर आर्ट वर्क किया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग थीम रखी जाएगी। प्रत्येक स्टेशन पर अलग-अलग कलाकृति बनाई जाएंगी। यह देखने में सुंदर व शहर की छवि को बताने का काम करेंगी।

स्टेशनों पर होगी पार्किंग

नोएडा से ग्रेटर नोएडा मेट्रो रूट पर करीब 65 हजार मुसाफिर सफर करेंगे। ऐसे में पार्किंग व्यवस्था काफी अहम होगी। लिहाजा इस रूट के प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

एनएमआरसी के नए बोर्ड का गठन

जासं, नोएडा : केंद्र सरकार से अंशदान के बाद पहली बार भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के बोर्ड सदस्यों के साथ नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन (एनएमआरसी) की बोर्ड बैठक हुई। एनएमआरसी की यह 16वीं बैठक रही। जिसमें नए सदस्यों के चयन पर बोर्ड ने मुहर लगा दी। केंद्र सरकार के एडिशनल सेकेट्री को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा केंद्र सरकार के चार प्रतिनिधियों को निदेशक बनाया गया है। इसी तरह प्रदेश सरकार के पांच सदस्यों को निदेशक बनाया गया है। नया बोर्ड बनने से एनएमआरसी की वर्तमान योजनाओं को रफ्तार मिलने के साथ प्रदेश व केंद्र सरकार के बीच आपसी सामांजस्य स्थापित करना आसान हो जाएगा। नई समिति के तहत केंद्र सरकार में मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग और होल डेवलपमेंट मनोज कुमार को अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा ओएसडी और ज्वाइंट सेकेट्री मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग और होल डेवलपमेंट मुकंद सिन्हा को निदेशक। एमडी, एनसीआर ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) विनय कुमार सिंह को निदेशक बनाया गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के दो अन्य सदस्यों को भी निदेशक का पद भार दिया गया है। वहीं, प्रदेश सरकार में औद्योगिक विकास आयुक्त अनूप चंद्र पांडे, एनएमआरसी के एमडी आलोक टंडन, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास, सीईओ नोएडा व सीईओ ग्रेटर नोएडा को निदेशक बनाया गया है। एक मंच पर आने से परियोजनाओं को गति मिलना लगभग तय माना जा रहा है।